1. **निम्नलिखित में से किस हिंद-यवन शासक ने सीसे के सिक्के जारी किए थे?**

(a) स्ट्रैटो II (b) स्ट्रैटो I
(c) डेमेट्रियस (d) मिनांडर

U.P.P.S.C. (R.I.) 2014

उत्तर–(a)

स्ट्रैटो II ने सीसे के सिक्के जारी किए थे। इस हिंद-यवन शासक का शासन 25 ईसा पूर्व से 10 ईस्वी तक माना जाता है।

2. **निम्नलिखित शासकों में से किसके सिक्कों पर संकर्षण एवं वासुदेव दोनों अंकित हैं?**

(a) हुविष्क (b) कनिष्क
(c) समुद्रगुप्त (d) अगाथोक्लीज

U.P.P.C.S. (Mains) 2017

उत्तर–(d)

अफगानिस्तान के ऐ-खानम (Ai-Khanum) से अगाथोक्लीज के सिक्के प्राप्त हुए हैं, जिन पर वासुदेव (कृष्ण) और संकर्षण का चित्र उकेरा गया है।

3. **निम्नलिखित में से कौन-सा एक अन्य तीनों के समसामयिक नहीं था?**

(a) बिंबिसार (b) गौतम बुद्ध
(c) मिलिंद (d) प्रसेनजित

I.A.S. (Pre) 2005

उत्तर–(c)

बिंबिसार (544-492 ईसा पूर्व) मगध साम्राज्य की महत्ता का वास्तविक संस्थापक था। वह हर्यक कुल से संबंधित था। प्रसेनजित कोसल महाजनपद का राजा था। वह महात्मा बुद्ध का समकालीन था। गौतम बुद्ध (563-483 ईसा पूर्व) ने बौद्ध धर्म का प्रवर्तन किया। मिनांडर, जिसे मिलिंद के नाम से भी जाना जाता है, उत्तर भारत में इंडो-ग्रीक राजा था। इसका समय 155 अथवा 165 से 130 ईसा पूर्व था। इस प्रकार बिंबिसार, गौतम बुद्ध एवं प्रसेनजित तीनों समकालीन थे, जबकि मिलिंद इनका समसामयिक नहीं था।

4. **'काव्य शैली' का प्राचीनतम नमूना किसके अभिलेख में मिलता है?**

(a) काठियावाड़ के रुद्रदामन के
(b) अशोक के
(c) राजेंद्र प्रथम के
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P.P.C.S. (Pre) 1997

उत्तर–(a)

रुद्रदामन (130-150 ई.) का जूनागढ़ अभिलेख गुजरात में गिरनार पर्वत पर प्राप्त हुआ है। ब्राह्मी लिपि में उत्कीर्ण संस्कृत भाषा का यह अभिलेख अब तक प्राप्त संस्कृत अभिलेखों में सर्वाधिक प्राचीन है। इस अभिलेख में संस्कृत 'काव्य' शैली का प्राचीनतम नमूना प्राप्त होता है।

5. **किस अभिलेख में रुद्रदामन प्रथम की विभिन्न उपलब्धियां वर्णित हैं?**

(a) जूनागढ़ (b) भितरी
(c) नासिक (d) सांची

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर–(a)

गुजरात के जूनागढ़ से रुद्रदामन का एक अभिलेख प्राप्त हुआ है। यह जिस शिला पर उत्कीर्ण है उसी पर अशोक के चौदह प्रज्ञापनों की एक प्रति तथा स्कंदगुप्त के दो लेख भी खुदे हुए हैं। यह विशुद्ध संस्कृत भाषा तथा ब्राह्मी लिपि में लिखा गया है। इसमें रुद्रदामन की वंशावली, विजयों, शासन, व्यक्तित्व आदि पर सुंदर प्रकाश डाला गया है।

6. **बिना बेगार के किसने सुदर्शन झील का जीर्णोद्धार कराया?**

(a) चंद्रगुप्त मौर्य (b) बिंदुसार
(c) अशोक (d) रुद्रदामन प्रथम

U.P.P.C.S. (Pre) 2014

उत्तर–(d)

जूनागढ़ अभिलेख से पता चलता है कि रुद्रदामन ने गिरनार के निकट सुदर्शन झील की मरम्मत बिना बेगार लिए ही करवाई थी, जो कि मौर्य वंश के शासक चंद्रगुप्त मौर्य के आदेश पर बनवाई गई थी।

7. **कार्दमक क्षत्रपों ने निम्नलिखित में से किस धातु में अति दुर्लभ सिक्के प्रचलित किया?**

(a) ताम्र (b) रजत
(c) पोटीन (d) स्वर्ण

U.P.B.E.O. (Pre) 2019

उत्तर-(a)

कार्दमक वंशीय शासकों की मुद्राओं को दो बड़े वर्गों में विभाजित किया जाता है। प्रथम वर्ग के अंतर्गत उन रजत मुद्राओं को रखा जाता है, जो क्षहरातवंशी रजत मुद्राओं की निरंतरता का आभास कराते हैं। द्वितीय वर्ग के अंतर्गत पोटीन निर्मित सिक्कों को रखा जाता है। कार्दमक शासक चष्टन ने रजत एवं ताम्र दोनों धातुओं की मुद्राएं चलाई। प्रश्न में अतिदुर्लभ सिक्कों के बारे में पूछा गया है। इसका सही उत्तर ताम्र होगा, क्योंकि कार्दमक वंशियों ने ताम्र की बहुत कम मुद्राएं चलवाई।

Scanned with OKEN Scanner

8. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए -

सूची I	सूची II
A. डिमेट्रियस	1. पहलव
B. रुद्रदामन	2. कुषाण
C. गोंडोफर्नीज	3. हिंद-यूनानी
D. विम	4. शक

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	3	2	4
(b)	4	3	1	2
(c)	3	4	1	2
(d)	1	2	3	4

U.P. R.O/A.R.O. (Mains) 2017

उत्तर—(c)

सूची I का सूची II से सही सुमेलन है-

सूची I	सूची II
डिमेट्रियस	हिंद-यूनानी
रुद्रदामन	शक
गोंडोफर्नीज	पहलव
विम	कुषाण

9. **उत्तरी तथा उत्तरी-पश्चिमी भारत में सर्वाधिक संख्या में तांबे के सिक्कों को जारी किया था—**

(a) इंडो-ग्रीको ने (b) कुषाणों ने

(c) शकों ने (d) प्रतिहारों ने

U.P. P.C.S. (Pre) 2005

उत्तर—(b)

उत्तर-पश्चिम भारत में स्वर्ण सिक्कों का प्रचलन इंडो-ग्रीक (हिंद-यवन) राजाओं ने करवाया था। जबकि इन्हें नियमित एवं पूर्णरूप से प्रचलित करवाने का श्रेय कुषाण शासकों को जाता है। कुषाण शासकों ने स्वर्ण एवं ताम्र दोनों ही प्रकार के सिक्कों को व्यापक पैमाने पर प्रचलित किया था।

10. **प्राचीन भारत में निम्न में से किस एक ने नियमित रूप से सोने के सिक्के चलाए?**

(a) सातवाहन (b) शक

(c) कुषाण (d) पर्थियन

U.P. Lower Sub. (Pre) 2004

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. **बुद्ध का किसके सिक्कों पर अंकन हुआ है?**

(a) विम कडफिसेस (b) कनिष्क

(c) नहपान (d) बुध गुप्त

U.P.P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर—(b)

कुषाण शासक कनिष्क के सिक्कों पर बुद्ध का अंकन मिलता है।

12. **निम्नलिखित में से किस शासक को सर्वप्रथम सोने के सिक्के जारी करने का श्रेय दिया जाता है?**

(a) कुजुल कडफिसेस (b) विम कडफिसेज

(c) कनिष्क प्रथम (d) हुविष्क

U.P.P.C.S. (Mains) 2009

उत्तर—(b)

कुषाण शासकों में विम कडफिसेस ने सर्वप्रथम सोने के सिक्के जारी किए थे। अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

13. **निम्नलिखित में से किसने भारत में स्वर्ण सिक्कों का प्रचलन नियमित उपयोग के लिए किया था?**

(a) विम कडफिसेस ने (b) कुजुल कडफिसेस ने

(c) कनिष्क ने (d) हर्मवीज ने

U.P. P.C.S. (Pre) 2015

उत्तर—(a)

कुषाण वंशीय विम कडफिसेस जो कि कनिष्क प्रथम का पिता भी था, ने भारत में स्वर्ण सिक्कों का प्रचलन नियमित उपयोग के लिए किया था, जबकि कुजुल कडफिसेस ने तांबे के सिक्के प्रचलित कराए थे।

14. **इनमें से किसने सर्वप्रथम व्यापक पैमाने पर स्वर्णमुद्रा का प्रचलन किया?**

(a) पुष्यमित्र शुंग (b) मिनांडर

(c) विम कडफिसेस (d) गौतमीपुत्र शातकर्णि

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर—(c)

कुषाण शासकों द्वारा व्यापक पैमाने पर स्वर्णमुद्रा का प्रचलन प्रारंभ करना भारतीय उपमहाद्वीप में उनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान था। कुषाण शासक विम कडफिसेस को स्वर्ण मुद्राओं के प्रचलन का श्रेय प्राप्त है।

15. **यौधेय सिक्कों पर किस देवता का अंकन मिलता है?**

(a) वासुदेव (b) मित्र

(c) इंद्र (d) कार्तिकेय

U.P.P.C.S. (Spl)(Mains) 2008

उत्तर—(d)

Scanned with OKEN Scanner

यौधेयों का प्रमाण पुराण, अष्टाध्यायी तथा वृहत्संहिता इत्यादि ग्रंथों से प्राप्त होता है। इनका साम्राज्य दक्षिण-पूर्वी पंजाब तथा राजस्थान के बीच था। इनके सिक्कों पर कार्तिकेय का अंकन मिलता है।

16. कनिष्क के सारनाथ बौद्ध प्रतिमा अभिलेख की तिथि क्या है?

(a) 78 ई. सन् (b) 81 ई. सन्
(c) 98 ई. सन् (d) 121 ई. सन्

U.P.P.C.S. (Pre) 2014

उत्तर—(b)

कनिष्क के सारनाथ बौद्ध अभिलेख की तिथि 81 ई. सन् है। यह प्रतिमा मथुरा से लाकर कनिष्क के राज्यारोहण (78 ई. सन्) के तीसरे वर्ष सारनाथ में स्थापित की गई थी।

17. कुषाण शासक कनिष्क का राज्याभिषेक किस सन् में हुआ?

(a) 178 बी.सी. (b) 101 ए.डी.
(c) 58 बी.सी. (d) 78 ए.डी.

U.P.P.C.S. (Pre) 1991

उत्तर—(d)

कनिष्क के राज्याभिषेक की तिथि अत्यंत विवादास्पद है। इस समस्या पर विचार करने के लिए वर्ष 1913 तथा वर्ष 1960 में लंदन में दो अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए गए। द्वितीय सम्मेलन में आम सहमति 78 ई. के पक्ष में ही बनी। इसी समय से शक संवत् का प्रारंभ माना गया है।

18. शक संवत् कब प्रारंभ किया गया?

(a) 58 ई. (b) 78 ई.
(c) 320 ई. (d) 606 ई.

U.P. P.C.S. (Pre) 1990
U.P. R.O./A.R.O. (Mains) 2013

उत्तर—(b)

जैन ग्रंथों के अनुसार, विक्रमादित्य (57 ई.पू.) के उत्तराधिकारी को 135 विक्रम संवत् में शकों ने पराजित कर इसके उपलक्ष्य में शक संवत् चलाया था। इस प्रकार इसकी प्रारंभिक तिथि 135–57 = 78 ई. आती है। अधिकांश इतिहासकारों ने कुषाण शासक कनिष्क को इसका प्रवर्तक माना है।

19. विक्रम एवं शक संवतों में कितना अंतर (वर्षों में) है?

(a) 57 वर्ष (b) 78 वर्ष
(c) 135 वर्ष (d) 320 वर्ष

U.P.U.D.A./L.D.A. (Pre) 2006

उत्तर—(c)

वर्तमान कैलेंडर से 57 जोड़ देने पर विक्रम संवत् (प्रारंभ 57 ई.पू.) तथा 78 घटा देने पर शक संवत् (प्रारंभ 78 ई.) प्राप्त होता है। अर्थात 2019 विक्रम संवत् 2019 + 57 = 2076 तथा शक संवत् 2019–78 = 1941 है। अत: विक्रम संवत् और शक संवत् में अंतर 2076–1941 = 135 वर्ष। अत: विकल्प (c) सही उत्तर है।

20. शक संवत् पर आधारित राष्ट्रीय पंचांग (कैलेंडर) का 1 चैत्र, ग्रेगोरियन कैलेंडर पर आधारित 365 दिन के सामान्य वर्ष की निम्नलिखित तिथियों में किस एक के तद्नुरूप है?

(a) 22 मार्च (अथवा 21 मार्च)
(b) 15 मई (अथवा 16 मई)
(c) 31 मार्च (अथवा 30 मार्च)
(d) 21 अप्रैल (अथवा 20 अप्रैल)

I.A.S. (Pre) 2014

उत्तर—(a)

चैत्र भारतीय राष्ट्रीय पंचांग का प्रथम माह होता है। राष्ट्रीय कैलेंडर की तिथियां ग्रेगोरियन कैलेंडर की तिथियों से स्थायी रूप से मिलती-जुलती हैं। सामान्यत: 1 चैत्र 22 मार्च को होता है और लीप वर्ष में 21 मार्च को।

21. विक्रम संवत् कब से प्रारंभ हुआ?

(a) 78 ई. (b) 57 ई.पू.
(c) 72 ई.पू. (d) 56 ई.पू.

U.P.P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर—(b)

विक्रम संवत् के दो अन्य नाम भी मिलते हैं–कृत संवत् तथा मालव संवत्। जैन साहित्य में महावीर के निर्वाण तथा विक्रम संवत् के बीच 470 वर्षों का अंतर पाया जाता है। महावीर की निर्वाण तिथि 527 ई.पू. मानी जाती है। तदनुसार विक्रम संवत् के प्रारंभ की तिथि 527–470 ई. पू. = 57 ई.पू. निर्धारित होती है।

22. निम्नलिखित में कौन-सा वर्ष दिसंबर, 2009 में शक संवत् का वर्ष होगा?

(a) 1931 (b) 1952
(c) 2066 (d) 2087

U.P. P.C.S. (Mains) 2007

उत्तर—(a)

दिसंबर, 2009 में शक संवत् का वर्ष 2009 – 78 = 1931 होगा।

Scanned with OKEN Scanner

23. कनिष्क के समकालीन निम्नलिखित नामों का अध्ययन करें और निम्नांकित उत्तर कोड के अनुसार अपना उत्तर इंगित करें—

(I) अश्वघोष (II) वसुमित्र

(III) कालिदास (IV) कंबन

उत्तर कोड :

(a) I और IV (b) II और III

(c) I और II (d) ये सभी

U.P.P.C.S. (Pre) 1994

उत्तर—(c)

अश्वघोष कनिष्क के राजकवि थे। वसुमित्र भी कनिष्क के आश्रित विद्वान थे, इन्होंने चतुर्थ बौद्ध संगीति की अध्यक्षता भी की थी। कालिदास गुप्तकाल में हुए थे, जबकि कंबन 12वीं शताब्दी के थे।

24. अश्वघोष किसका समकालीन था?

(a) अशोक का (b) चंद्रगुप्त द्वितीय का

(c) कनिष्क का (d) हर्षवर्धन का

U.P.P.C.S. (Mains) 2008

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

25. निम्नलिखित में से कौन एक कनिष्क के दरबार से संबद्ध नहीं था?

(a) अश्वघोष (b) चरक

(c) नागार्जुन (d) पतंजलि

U.P. Lower Sub. (Spl) (Pre) 2008

उत्तर—(d)

अश्वघोष, नागार्जुन, पार्श्व तथा चरक ये चारों ही कनिष्क के दरबार से संबंधित थे, जबकि पतंजलि कनिष्क के दरबार से संबंधित नहीं थे। पतंजलि ने पाणिनि की अष्टाध्यायी पर महाभाष्य की रचना की थी। महर्षि पतंजलि शुंगकालीन विद्वान थे।

26. निम्नलिखित में से कौन कनिष्क प्रथम के दरबार में नहीं गया था?

(a) अश्वघोष (b) पार्श्व

(c) वसुमित्र (d) विशाखदत्त

U.P.P.C.S. (Mains) 2005

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

27. निम्नलिखित नगरों में से किसका उल्लेख कनिष्क के रबतक अभिलेख में नहीं है?

(a) श्रावस्ती (b) कौशाम्बी

(c) पाटलिपुत्र (d) चम्पा

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2014

उत्तर—(a)

रबतक अभिलेख अफगानिस्तान में सुर्ख कोटल के निकट रबतक नामक स्थान से वर्ष 1993 में प्राप्त किए गए। ये ग्रीक लिपि तथा बैक्ट्रियन भाषा में लिखे गए हैं। ये कुषाण वंश के शासक कनिष्क से संबंधित हैं। इस अभिलेख में चार शहरों के नाम उल्लेखित हैं, जो हैं—साकेत, कौशाम्बी, पाटलिपुत्र तथा श्री चम्पा। अर्थात इसमें श्रावस्ती का उल्लेख नहीं है।

28. इनमें से किस आयुर्वेदाचार्य ने तक्षशिला विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी?

(a) सुश्रुत (b) वाग्भट्ट

(c) चरक (d) जीवक

U.P. Lower Sub. (Pre) 2015

उत्तर—(c&d)

वर्तमान पाकिस्तान के रावलपिंडी जिले में स्थित तक्षशिला प्राचीन समय में गांधार राज्य की राजधानी थी। तक्षशिला की इतिहास में प्रसिद्धि का कारण उसका ख्याति प्राप्त शिक्षा केंद्र होना था। यहां अध्ययन के लिए दूर-दूर से विद्यार्थी आते थे, जिनमें राजा तथा सामान्यजन दोनों ही सम्मिलित थे। कोशल के राजा प्रसेनजित, बिंबिसार का राजवैद्य जीवक, कनिष्क का राजवैद्य चरक, बौद्ध विद्वान वसुबंधु, चाणक्य आदि ने यहीं शिक्षा प्राप्त की थी। बौद्ध साहित्य से पता चलता है कि यह वैद्यक एवं धनुर्विद्या की शिक्षा के लिए विश्व में प्रसिद्ध था। अतः स्पष्ट है कि इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (c) और (d) दोनों हो सकते हैं।

29. पुष्यमित्र शुंग द्वारा दो अश्वमेध यज्ञ किए जाने के बारे में जानकारी किस लेख से मिलती है?

(a) सारनाथ लेख (b) बेसनगर लेख

(c) अयोध्या लेख (d) हाथीगुम्फा लेख

U.P.P.C.S. (Pre) 2018

उत्तर—(c)

पुष्यमित्र शुंग अंतिम मौर्य शासक बृहद्रथ का सेनापति था। इसने 184 ई.पू. में बृहद्रथ की हत्या कर शुंग वंश की स्थापना की। अयोध्या लेख से ज्ञात होता है कि इसने दो अश्वमेध यज्ञ किए थे।

30. शुंगों के पूर्वज मूलतः किस स्थान से थे?

(a) मगध (b) प्रयाग

Scanned with OKEN Scanner

(c) उज्जैन (d) सौराष्ट्र

M.P.P.C.S. (Pre) 2018

उत्तर—(c)

शुंगों के पूर्वज मूलतः उज्जैन के थे। शुंग वंश का प्रथम स्वतंत्र शासक पुष्यमित्र शुंग था। धनदेव के अयोध्या अभिलेख से उसके द्वारा अश्वमेध यज्ञ किए जाने का साक्ष्य मिलता है।

31. शुंग वंश के बाद किस वंश ने भारत पर राज किया?

(a) सातवाहन (b) कुषाण (कुशान)

(c) कनवा (कण्व) (d) गुप्त

45th B.P.S.C. (Pre) 2001

उत्तर—(c)

शुंग वंश का अंतिम राजा देवभूति अपने अमात्य वासुदेव के षड्यंत्रों द्वारा मार डाला गया। वासुदेव ने जिस नवीन राजवंश की नींव डाली, वह 'कण्व' या 'कण्वायन' नाम से जाना जाता है। शुंगों के समान यह भी ब्राह्मण वंश था।

32. निम्नलिखित में से कौन-सा शासक वर्ण-व्यवस्था का रक्षक कहा जाता है?

(a) पुष्यमित्र शुंग (b) खारवेल

(c) गौतमीपुत्र शातकर्णि (d) वासुदेव

(e) समुद्रगुप्त

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर—(c)

सातवाहन शासक गौतमीपुत्र शातकर्णि ने कहा है कि उसने विच्छिन्न होते चातुर्वर्ण्य (चार वर्णों वाली व्यवस्था) को फिर से स्थापित किया और वर्णसंकर (वर्णों और जातियों के सम्मिश्रण) को रोका। इसी कारण इसे वर्ण-व्यवस्था का रक्षक कहा जाता है।

33. मौर्यों के बाद दक्षिण भारत में सबसे प्रभावशाली राज्य था—

(a) सातवाहन (b) पल्लव

(c) चोल (d) चालुक्य

U.P.P.C.S. (Pre) 1993

उत्तर—(a)

मौर्यों के बाद दक्षिण भारत में सबसे प्रभावशाली राज्य सातवाहनों का था। पुराणों में इस वंश के संस्थापक का नाम सिंधुक, सिमुक या शिप्रक दिया गया है, जिसने कण्व वंश के राजा सुशर्मा का वध करके अपना शासन स्थापित किया था।

34. सिमुक निम्न वंशों में से किसका संस्थापक था?

(a) चेर (b) चोल

(c) पाण्ड्य (d) सातवाहन

U.P.P.C.S. (Spl) (Mains) 2008

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

35. किस चीनी जनरल ने कनिष्क को हराया था?

(a) पान चाऊ (b) पान यांग

(c) शी हुआंग टी (d) हो टी

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2003

उत्तर—(a)

चीनी स्रोतों के अनुसार, 73 ई. से 94 ई. के बीच चीन का प्रसिद्ध सेनापति पान चाऊ अपने हान वंशी नरेश के आदेशों पर चीनी तुर्किस्तान की विजय के लिए प्रस्तुत हुआ। चीनी इतिहासकार युद्ध का कारण यह बताते हैं कि कुषाण शासक ने चीनी सेनापति के पास अपना एक दूत भेजकर हान राजकुमारी से विवाह की मांग की थी। पान चाऊ ने प्रस्ताव ठुकरा दिया, फलतः रुष्ट कुषाण शासक ने उसके राज्य पर चढ़ाई कर दी, परंतु कुषाण शासक असफल रहा। अधिकांश इतिहासकार इस कुषाण शासक की पहचान विम कडफिसेस के रूप में करते हैं। तथापि कनिष्क का राज्यारोहण 78 ई. मानने के बाद यह युद्ध कनिष्क के समय का हो जाएगा।

36. निम्न में से किस वंश के साम्राज्य की सीमाएं भारत के बाहर तक फैली थीं?

(a) गुप्त वंश (b) मौर्य वंश

(c) कुषाण वंश (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Uttarakhand U.D.A./L.D.A.(Mains) 2006

उत्तर—(b&c)

मौर्य और कुषाण दोनों साम्राज्यों की सीमाएं भारत के बाहर तक विस्तृत थीं। सेल्यूकस से संधि होने के पश्चात मौर्य साम्राज्य की सीमा पश्चिम में अफगानिस्तान तक विस्तृत थी। काबुल, कंधार आदि इसके भाग थे। कुषाण वंश के साम्राज्य की सीमाएं भारतीय उपमहाद्वीप से बाहर तक फैली थीं। कुषाण शासक कनिष्क की सीमाएं उत्तर में चीन के तुरफान एवं मध्य एशिया से लेकर दक्षिण में विंध्य पर्वत तक तथा पश्चिम में उत्तरी अफगानिस्तान से लेकर पूर्व में पूर्वी उ.प्र. एवं बिहार तक विस्तृत थीं।

37. बाल विवाह की प्रथा आरंभ हुई—

(a) मौर्यकाल में (b) कुषाणकाल में

(c) गुप्तकाल में (d) हर्षवर्धन के काल में

R.A.S./R.T.S. (Pre) (Re-exam.) 2000

उत्तर—(b)

Scanned with OKEN Scanner

कुषाणकाल (प्रथम शती ई.) में बाल विवाह की प्रथा प्रारंभ हुई थी। स्त्रियों में उपनयन की समाप्ति तथा बाल विवाह के प्रचलन ने उसे समाज में अत्यंत निम्न स्थिति में ला दिया। इस युग में विवाह की आयु और कम करके आठ से लेकर दस वर्ष की आयु की कन्या को विवाह के लिए उपयुक्त माना गया।

38. निम्नलिखित में से किस स्थल से शासक मिनेंडर के सोलह सिक्के प्राप्त हुए हैं?

(a) बैराठ (b) नगरी

(c) रेढ़ (d) नगर

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2018

उत्तर–(a)

हिंद-यवन शासक मिनेंडर (मिनांडर) के 16 सिक्के बैराठ से प्राप्त हुए हैं। इसकी मुद्राओं पर नाइक, एथेना, मुकुटधारी राजा का शीश, चक्र एवं ऊंट आदि आकृतियों का अंकन प्राप्त होता है।

39. निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा एक सही सुमेलित है?

(a) हड़प्पा सभ्यता – चित्रित धूसर मृद्भांड

(b) कुषाण – गांधार कला शैली

(c) मुगल – अजंता चित्रकारी

(d) मराठा – पहाड़ी चित्र शैली

I.A.S. (Pre) 2001

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2008

उत्तर–(b)

कुषाण शासक कनिष्क के काल में कला क्षेत्र में दो स्वतंत्र शैलियों का विकास हुआ–(1) गांधार शैली, (2) मथुरा शैली। अन्य युग्म सुमेलित नहीं हैं।

40. कला की गांधार शैली निम्न समय में फली-फूली–

(a) कुषाणों के समय (b) गुप्तों के समय

(c) अकबर के समय (d) मौर्यों के समय

38th B.P.S.C. (Pre) 1992

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

41. शक-क्षत्रप काल में सोने-चांदी के सिक्कों का अनुपात क्या था?

(a) 1 : 20 (b) 1 : 25

(c) 1 : 35 (d) 1 : 10

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर–(c)

शक-क्षत्रप काल में सोने-चांदी के सिक्कों का अनुपात 1 : 35 था।

42. निम्नलिखित में से कौन सही सुमेलित नहीं है?

सूची-I (राजवंश)	सूची-II (सिक्कों की धातुएं)
(a) कुषाण	स्वर्ण एवं ताम्र
(b) गुप्त	स्वर्ण एवं रजत
(c) सातवाहन	स्वर्ण
(d) कलचुरि	स्वर्ण, रजत एवं ताम्र

U.P.R.O/A.R.O. (Pre) 2016

उत्तर–(c)

कुषाणों ने सर्वाधिक शुद्ध स्वर्ण के सिक्के चलवाए थे। यद्यपि भारत में सर्वप्रथम हिंद-यवन शासकों ने स्वर्ण सिक्के चलवाए थे। स्वर्ण के अतिरिक्त कुषाणों ने ताम्र सिक्के चलवाए। गुप्तों ने स्वर्ण एवं रजत के तथा कलचुरि शासकों ने स्वर्ण, रजत एवं ताम्र के सिक्के चलवाए थे। सातवाहन शासकों ने स्वर्ण सिक्के नहीं चलवाए थे। उन्होंने चांदी, तांबा तथा सीसे के सिक्के जारी किए थे।

43. सूची-I तथा सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए -

सूची-I	सूची-II
A. गांधार कला	1. मिनांडर
B. जूनागढ़ शिलालेख	2. पतिक
C. मिलिंदपन्हो	3. कुषाण
D. तक्षशिला लेख	4. रुद्रदामन I

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	3	4	2
(b)	2	4	3	1
(c)	3	4	1	2
(d)	2	1	3	4

U.P.P.C.S. (Pre) 2017

उत्तर–(c)

सूची-I एवं सूची -II का सुमेलन निम्नवत है-

सूची-I	सूची-II
गांधार कला	कुषाण
जूनागढ़ शिलालेख	रुद्रदामन I
मिलिंदपन्हो	मिनांडर
तक्षशिला लेख	पतिक

44. अफगानिस्तान का बामियान प्रसिद्ध था–

(a) हिंदू मंदिर के कारण

Scanned with OKEN Scanner

(b) हाथी दांत के काम हेतु

(c) स्वर्ण सिक्कों के टंकण हेतु

(d) बुद्ध प्रतिमा के लिए

U.P.P.C.S. (Spl) (Mains) 2008

उत्तर—(d)

अफगानिस्तान का बामियान पहाड़ियों को काटकर बनवाई गई बुद्ध प्रतिमाओं के लिए प्रसिद्ध था, लेकिन अफगानिस्तान में तालिबान शासन ने इन बुद्ध प्रतिमाओं को नष्ट करवा दिया।

45. जो कला शैली भारतीय और यूनानी (ग्रीक) आकृति का सम्मिश्रण है, उसे कहते हैं—

(a) शिखर (b) वेरा

(c) गांधार (d) नागर

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2008

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1993

उत्तर—(c)

भारतीय और यूनानी आकृति की सम्मिश्रण शैली गांधार शैली है। इस कला शैली के प्रमुख संरक्षक शक एवं कुषाण थे। इस कला का विषय मात्र बौद्ध होने के कारण इसे 'यूनानी-बौद्ध' (Greeco-Buddhist), इंडो-ग्रीक (Indo-Greek) या ग्रीको-रोमन (Greeco-Roman) भी कहा जाता है।

46. गांधार कला शैली एक संश्लेषण है—

(a) भारतीय तथा फारसी कला का

(b) भारतीय तथा चीनी कला का

(c) भारतीय तथा तुर्की-अफगानी कला का

(d) भारतीय तथा यूनानी कला का

U.P. P.C.S. (Pre) 1996

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

47. निम्नलिखित में से किस मूर्ति कला में सदैव हरित स्तरित चट्टान (शिस्ट) का प्रयोग माध्यम के रूप में होता था?

(a) मौर्य मूर्ति कला (b) मथुरा मूर्ति कला

(c) भरहुत मूर्ति कला (d) गांधार मूर्ति कला

I.A.S. (Pre) 1996

उत्तर—(d)

गांधार कला में सदैव हरित स्तरित या शिस्ट चट्टान का प्रयोग ही मूर्तियां बनाने के लिए किया जाता था यद्यपि मथुरा कला में भी इसी के अनुसरण पर शिस्ट का प्रयोग किया गया था।

48. प्राचीन काल के भारत पर आक्रमणों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा एक सही कालानुक्रम है?

(a) यूनानी-शक-कुषाण (b) यूनानी-कुषाण-शक

(c) शक-यूनानी-कुषाण (d) शक-कुषाण-यूनानी

I.A.S. (Pre) 2006

उत्तर—(a)

भारत में बाह्य आक्रामकों के कालों का सही कालानुक्रम निम्न प्रकार है– यूनानी (326 ई.पू. सिकंदर महान), शक (प्रथम शताब्दी ई.पू.), कुषाण (पहली शताब्दी ई.)।

49. पहला ईरानी शासक जिसने भारत के कुछ भाग को अपने अधीन किया था—

(a) साइरस (b) केम्बिसिस

(c) डेरियस प्रथम (d) शहार्श

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1994

उत्तर—(c)

ईरानी शासक डेरियस प्रथम (522–486 ई.पू.) ने सर्वप्रथम भारत के कुछ भाग को अपने अधीन किया था। हेरोडोटस के अनुसार, डेरियस प्रथम के साम्राज्य में संपूर्ण सिंधु घाटी का प्रदेश शामिल था तथा पूर्व की ओर इसका विस्तार राजपूताना के रेगिस्तान तक था। पर्सिपोलिस एवं नक्शेरुस्तम के शिलालेखों के अनुसार, पंजाब भी उसके साम्राज्य में शामिल था।

50. निम्न राजवंशों में सबसे पुराना राजवंश था—

(a) चालुक्य (b) पल्लव

(c) राष्ट्रकूट (d) सातवाहन

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2001

उत्तर—(d)

उपर्युक्त राजवंशों में सबसे पुराना राजवंश सातवाहन है। इस वंश के संस्थापक सिमुक का समय कुछ स्रोतों के अनुसार लगभग द्वितीय शताब्दी ईसा पूर्व माना जाता है। कुछ स्रोतों में इसे कण्व वंश के अंतिम शासक सुशर्मा के समकालीन (ई.पू. प्रथम शताब्दी, 60 ई.पू.) माना जाता है।

51. आंध्र सातवाहन राजाओं की सबसे लंबी सूची किस पुराण में मिलती है?

(a) वायु पुराण (b) विष्णु पुराण

(c) मत्स्य पुराण (d) उपर्युक्त में से किसी में नहीं

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Mains) 2006

उत्तर—(c)

Scanned with OKEN Scanner

पुराणों में कुल 30 या 31 सातवाहन राजाओं के नाम मिलते हैं, जिनमें से सबसे लंबी सूची मत्स्य पुराण में 30 राजाओं की मिलती है।

52. सातवाहनों की राजधानी अवस्थित थी–

(a) अमरावती में (b) नांदेड़ में

(c) नालदुर्ग में (d) दुर्ग में

U.P.P.C.S. (Mains) 2005

उत्तर–(a)

सातवाहनों की वास्तविक राजधानी प्रतिष्ठान या पैठन में अवस्थित थी। पुराणों में इस राजवंश को आंध्रभृत्य या आंध्र जातीय कहा गया है। उनकी आरंभिक राजधानी अमरावती मानी जाती है।

53. निम्न में से कौन-सा स्थान सातवाहनों की राजधानी था?

(a) प्रतिष्ठान

(b) नागार्जुनकोंडा

(c) शाकल अथवा स्यालकोट

(d) पाटलिपुत्र

U.P. Lower Sub. (Spl) (Pre) 2008

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

54. निम्नलिखित शासकों में से किसके लिए 'एका ब्राह्मण' प्रयुक्त हुआ है?

(a) पुष्यमित्र शुंग (b) खारवेल

(c) गौतमीपुत्र शातकर्णि (d) सुशर्मन

U.P.R.O/A.R.O. (Pre) 2016

उत्तर–(c)

सातवाहन शासक गौतमीपुत्र शातकर्णि को उसकी मां गौतमी बलश्री के नासिक अभिलेख में 'एका ब्राह्मण' कहा गया है, जिसका तात्पर्य है 'अद्वितीय ब्राह्मण' अथवा 'ब्राह्मणों का एकमात्र रक्षक।'

55. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए-

राजवंश	राजधानी
A. शुंग	i. महोबा
B. सातवाहन	ii. बनवासी
C. कदम्ब	iii. पैठन
D. चन्देल	iv. पाटलिपुत्र

सही कूट का चयन कीजिए-

	A	B	C	D
(a)	iv	iii	ii	i
(b)	iv	ii	iii	i
(c)	i	iv	ii	iii
(d)	i	ii	iii	iv

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2018

उत्तर–(a)

सही सुमेलन है–

राजवंश		**राजधानी**
शुंग	-	पाटलिपुत्र
सातवाहन	-	पैठन
कदम्ब	-	बनवासी
चन्देल	-	महोबा

56. निम्नलिखित को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए–

1. सातवाहन 2. वाकाटक

3. चालुक्य

निम्नलिखित में सही कूट का चयन कीजिए–

(a) 2, 3, 1 (b) 3, 2, 1

(c) 3, 1, 2 (d) 1, 2, 3

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर–(d)

सातवाहन साम्राज्य की स्थापना 'सिमुक' ने प्रथम शताब्दी ई.पू. में की थी। वाकाटक साम्राज्य की स्थापना तृतीय शताब्दी ई. में 'विंध्यशक्ति' ने की थी, जबकि गुजरात के चालुक्य वंश की स्थापना दसवीं शताब्दी में मूलराज प्रथम ने की थी। अतः इन राजवंशों का क्रम इस प्रकार है– सातवाहन-वाकाटक-चालुक्य। इस प्रकार विकल्प (d) सत्य है।

57. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, जिसमें एक को अभिकथन (A) व दूसरे को कारण (R) कहा गया है :

अभिकथन (A) - सातवाहन काल में संस्कृत के साथ प्राकृत व अन्य लोक भाषाओं का विकास हुआ।

कारण (R) - सातवाहन राजाओं ने साहित्य - रचना के लिए संस्कृत तथा अन्य लोक भाषाओं को अपनाया।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए।

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (A) का सही स्पष्टीकरण (R) है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, किंतु (A) का सही स्पष्टीकरण (R) नहीं है।

(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

U.P. R.O/A.R.O. (Mains) 2017

उत्तर–(a)

Scanned with OKEN Scanner

सातवाहन नरेश स्वयं विद्वान, विद्या प्रेमी तथा विद्वानों के आश्रयदाता थे। हाल नामक राजा ने 'गाथासप्तशती' नामक प्राकृत भाषा में शृंगार रस प्रधान गीति काव्य की रचना की थी। हाल के दरबार में गुणाढ्य तथा सर्ववर्मन जैसे उच्च कोटि के विद्वान निवास करते थे। गुणाढ्य ने 'बृहत्कथा' नामक ग्रंथ की रचना की। यह पैशाची प्राकृत भाषा में लिखा गया था। सर्ववर्मन ने 'कातंत्र' नामक संस्कृत व्याकरण की रचना की। कन्हेरी के एक अभिलेख से ज्ञात होता है कि एक सातवाहन रानी संस्कृत का प्रयोग करती थी। इस प्रकार स्पष्ट है कि सातवाहन युग में प्राकृत एवं संस्कृत भाषाओं का विकास हुआ तथा सातवाहन राजाओं ने साहित्य रचना के लिए संस्कृत तथा अन्य लोकभाषाओं को अपनाया था। अतः इसका अभीष्ट उत्तर विकल्प (a) होगा।

58. सातवाहन शासकों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

1. सातवाहन नरेश प्राकृत भाषा के पोषक थे।

2. सातवाहन काल में कला के लोक पक्ष को अधिक प्रोत्साहन मिला।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर को चुनिए।

कूट :

(a) केवल 1 (b) 1 और 2 दोनों

(c) केवल 2 (d) न तो 1 न ही 2

U.P.P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर–(b)

सातवाहन शासकों के शासनकाल में प्राकृत एवं संस्कृत भाषाओं का विकास हुआ। सातवाहन शासक हाल ने 'गाथा सप्तशती' नामक प्राकृत भाषा में शृंगार रस प्रधान गीति काव्य की रचना की थी। सातवाहन काल में स्थापत्य तथा मूर्ति कला के उदाहरण प्राप्त हुए हैं, जो बौद्ध धर्म से संबंधित हैं।

59. निम्नलिखित में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?

(i) सातवाहन वंश की शक्ति क्षीण होने के बाद वाकाटक वंश ने अपना राज्य स्थापित किया।

(ii) वाकाटक वंश का पहला राजा प्रवर सेन (प्रथम) हुआ।

(iii) विंध्य शक्ति प्रवर सेन का पुत्र था।

सही विकल्प चुनें–

(a) (i), (ii) और (iii)

(b) (i) और (ii)

(c) केवल (i)

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर–(c)

सातवाहन वंश की शक्ति क्षीण होने के बाद वाकाटक वंश ने दक्षिणापथ में अपना राज्य स्थापित किया था। विंध्य शक्ति, वाकाटक वंश का संस्थापक था। प्रवरसेन, विंध्य शक्ति के पुत्र थे। अतः कथन (i) सत्य है, जबकि कथन (ii) तथा कथन (iii) असत्य हैं।

60. निम्नलिखित में से किस स्तूप में 'आर्यक-स्तम्भ' वाले मंच की विशेषताएं मिलती हैं?

(a) घण्टशाल (b) बोधगया

(c) नागार्जुनीकोंडा (d) अमरावती

U.P. P.C.S. (Pre) 2022

उत्तर–(d)

अमरावती स्तूप में 'आर्यक-स्तम्भ' अथवा 'आयक स्तम्भ'(Ayaka Pillars) वाले मंच की विशेषताएं देखने को मिलती हैं। यह आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के अमरावती गांव में स्थित है।

61. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

अभिलेख	**शासक**
(a) नासिक	गौतमीपुत्र
(b) हाथीगुम्फा	खारवेल
(c) भितरी	पुलकेशिन द्वितीय
(d) गिरनार	रुद्रदामन प्रथम

U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2017

उत्तर–(c)

गौतमीपुत्र शातकर्णि सातवाहन वंश का शक्तिशाली शासक था। इसके विषय में सूचना इसकी मां गौतमी बलश्री के नासिक प्रशस्ति से प्राप्त होती है। उदयगिरि पहाड़ी की 'हाथीगुम्फा' से खारवेल का एक बिना तिथि का अभिलेख प्राप्त हुआ है। इसमें खारवेल के बचपन, शिक्षा, राज्याभिषेक तथा राजा होने के बाद से तेरह वर्षों तक के शासन की घटनाओं का क्रमबद्ध विवरण दिया हुआ है। भितरी स्तंभ लेख का संबंध गुप्त शासक स्कंदगुप्त से है, जबकि पुलकेशिन द्वितीय का संबंध ऐहोल अभिलेख से है, जो एक प्रशस्ति के रूप में है तथा इसकी भाषा संस्कृत है। रुद्रदामन प्रथम का जूनागढ़ (गिरनार) से शक संवत् 72 (150 ई.) का अभिलेख प्राप्त होता है। यह प्रशस्ति के रूप में है। इससे उसकी विजयों, व्यक्तित्व एवं कृतियों का विवरण प्राप्त होता है।

62. निम्नलिखित में से किस वंश के शासकों को पुराणों में 'श्रीपर्वतीय' कहा गया है?

(a) वाकाटक (b) इक्ष्वाकु

(c) शक (d) खारवेल

U.P.P.C.S. (Pre) 2020

उत्तर–(b)

Scanned with OKEN Scanner

इक्ष्वाकु वंश के शासकों को पुराणों में 'श्रीपर्वतीय' (श्रीपर्वत का शासक) तथा 'आंध्रभृत्य' (आंध्रों का नौकर) कहा गया है। पहले वे सातवाहनों के सामंत थे, किंतु उनके पतन के बाद उन्होंने अपनी स्वतंत्रता घोषित कर दी। इस वंश का संस्थापक श्रीशांतमूल था।

63. निम्न कथनों पर विचार कीजिए—

कथन (A) : कुषाण फारस की खाड़ी और लाल सागर से होकर व्यापार करते थे।

कारण (R) : उनकी सुसंगठित नौसेना उच्च कोटि की थी।

उपर्युक्त के संदर्भ में निम्न में से कौन-सा सही उत्तर है?

कूट :

(a) दोनों (A) और (R) सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

(b) दोनों (A) और (R) सही हैं, परंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

U.P. Lower Sub. (Pre) 1998

उत्तर—(c)

पेरीप्लस ऑफ द एरीथ्रियन सी और अरिकामेडु में हुई खुदाई से ऐसे अनेक बंदरगाहों और व्यापारिक केंद्रों की उपस्थिति के साक्ष्य मिले हैं, जिनसे यह स्पष्ट होता है कि कुषाणों का व्यापार पश्चिमी विश्व से फारस की खाड़ी और लाल सागर के जलमार्ग से होता था। इन सभी साक्ष्यों में किसी में भी कुषाणों की सशक्त नौसेना की उपस्थिति का उल्लेख नहीं मिलता है।

64. राजा खारवेल का नाम जुड़ा (Figures) है—

(a) गिरनार के स्तंभ लेख के साथ

(b) जूनागढ़ स्तंभ लेख के साथ

(c) हाथीगुम्फा लेख के साथ

(d) सारनाथ लेख के साथ

43rd B.P.S.C. (Pre) 1999

उत्तर—(c)

कलिंग का चेदिवंशीय शासक खारवेल प्राचीन भारतीय इतिहास के महानतम सम्राटों में से एक था। उड़ीसा (ओडिशा) प्रांत के भुवनेश्वर से तीन मील की दूरी पर स्थित उदयगिरि पहाड़ी की 'हाथीगुम्फा' से उसका एक बिना तिथि का अभिलेख प्राप्त हुआ है। यह अभिलेख खारवेल का इतिहास जानने का एकमात्र स्रोत है। इसका जैन धर्म के प्रति भारी झुकाव था।

65. निम्नलिखित राजाओं में से कौन जैन धर्म का संरक्षक था?

(a) अशोक (b) हर्ष

(c) पुलकेशिन द्वितीय (d) खारवेल

U.P.P.S.C. (R.I.) 2014

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

66. कलिंग नरेश खारवेल निम्न में से किस वंश से संबंधित थे?

(a) चेदि (b) कदम्ब

(c) कलिंग (d) हर्यक

U.P.P.C.S. (Spl) (Mains) 2008

U.P.P.C.S. (Mains) 2015

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

67. निम्नलिखित राजाओं में से किसका जैन धर्म के प्रति भारी झुकाव था?

(a) दशरथ (b) बृहद्रथ

(c) खारवेल (d) हुविष्क

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

68. कलिंग नरेश खारवेल का संबंध था-

(a) महामेघवाहन वंश से

(b) चेदि वंश से

(c) सातवाहन वंश से

(d) रठ-भोजक वंश से

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

60th to 62nd B.P.S.C. (Pre) 2016

उत्तर—(e)

कलिंग के चेदि राजवंश का संस्थापक महामेघवाहन नामक व्यक्ति था। अतः इस वंश का नाम महामेघवाहन वंश भी पड़ गया। इस वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली शासक खारवेल हुआ।

69. हाथीगुम्फा का अभिलेख किस शासक के विषय में जानकारी का स्रोत है?

(a) खारवेल (b) अशोक

(c) हर्षवर्धन (d) कनिष्क

U.P.P.C.S. (Pre) 2018

उत्तर—(a)

उदयगिरि पहाड़ी के 'हाथीगुम्फा' से शासक खारवेल का एक बिना तिथि का अभिलेख प्राप्त हुआ है। इसमें खारवेल के बचपन, शिक्षा, राज्याभिषेक तथा राजा होने के बाद से तेरह वर्षों के शासनकाल की घटनाओं का क्रमबद्ध विवरण दिया हुआ है। यह अभिलेख खारवेल का इतिहास जानने का एकमात्र स्रोत है।

Scanned with OKEN Scanner

70. उदयगिरि और खांडगिरि गुफाओं के संदर्भ में कौन-सा/कौन-से सही है/हैं?

(i) इसमें प्राकृतिक और कृत्रिम दोनों तरह की गुफाएं हैं।

(ii) उदयगिरि में 18 तथा खांडगिरि में 15 गुफाएं हैं।

(iii) खांडगिरि गुफाएं हाथीगुंफा शिलालेख के लिए प्रसिद्ध हैं।

(a) (i), (ii) और (iii)

(b) (i) और (iii)

(c) (i) और (ii)

(d) केवल (i)

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर–(c)

खांडगिरि एवं उदयगिरि की पहाड़ियां, जिन्हें 'कुमारगिरि' एवं 'कुमारीगिरि' के नाम से जाना जाता है, अपनी रॉक-कट (Rock-cut) गुफाओं के लिए प्रसिद्ध हैं। ये गुफाएं ओडिशा राज्य के भुवनेश्वर में स्थित हैं। इनमें प्राकृतिक एवं कृत्रिम दोनों तरह की गुफाएं हैं। उदयगिरि में 18 तथा खांडगिरि में 15 गुफाएं हैं। उदयगिरि की गुफाओं में चेदि वंश के शासक खारवेल का हाथीगुंफा अभिलेख प्राप्त हुआ है।

71. पूर्वी रोमन शासक जस्टिनियन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान किस क्षेत्र में था?

(a) विधि (b) स्थापत्य कला

(c) विज्ञान (d) साहित्य

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1994

उत्तर–(a)

पूर्वी रोमन शासक जस्टिनियन को सर्वाधिक प्रसिद्धि उसके न्याय संबंधी सुधारों से मिली। जस्टिनियन रोमन कानून के संपूर्ण संशोधन के लिए उत्तरदायी था।

72. पेरीप्लस ऑफ द इरिथ्रियन सी किसने लिखी?

(a) टेसियस (b) प्लिनी

(c) टॉलमी (d) स्ट्रैबो

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(e)

'पेरीप्लस ऑफ द इरिथ्रियन/एरीथ्रियन सी' एक ग्रंथ/पुस्तक (Manuscript) है। यह रोमन-मिस्र बंदरगाहों से नेविगेशन और व्यापार के अवसरों का वर्णन करता है। इसे लगभग 60 ई. में अलेक्जेंड्रिया के एक अनाम नाविक ने लिखा। इसने भारत से आयात तथा निर्यात की जाने वाली वस्तुओं का भी उल्लेख किया है।

Scanned with OKEN Scanner